इग्नाइट • इनोवेट • इनक्यूबैट

बाइरैक i3

उभरते स्वास्थ्य सेवा के नवाचार : आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

बाइरैक
इग्नाइट इनोवेट इंक्यूबैट
birac
Ignite Innovate Incubate

जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद्
(भारत सरकार का उपक्रम)

जुलाई–सितम्बर 2023
सं.3 अंक 10

बाइरैक

संपादकीय समिति

डॉ. शीषेंदु मुखर्जी
मिशन निदेशक
ग्रैंड चैलेंजेज इंडिया

सुश्री गिन्नी बंसल
परामर्शदाता (संचार)
ग्रैंड चैलेंजेज इंडिया

सुश्री हिमांशी शर्मा
परामर्शदाता (संचार)
राष्ट्रीय बॉयोफार्मा मिशन

डिज़ाइन और उत्पादन

विविड इण्डिया एडवरटाईज़िंग एण्ड मार्केटिंग
401–410, दीपशिखा बिल्डिंग, राजेन्द्र प्लेस,
नई दिल्ली–110008

अनुक्रमणिका

नेतृत्वकर्ता का संदेश 02

मुख्य संपादक के विचार 03

बाइरैक की मुखाकृति 04

पहला स्वदेशी रुप से विकसित मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग (एमआरआई) स्कैनर का शुभारंभ

बाइरैक की रिपोर्ट 06

जीवन विज्ञान में जैव-उद्यमिता, बौद्धिक संपदा और प्रौद्योगिकी प्रबंधन पर बाइरैक संवेदीकरण कार्यशाला

बाइरैक आईपी एवं टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट लॉ क्लीनिक कनेक्ट

नवाचारों के लिए उद्यम डिजाइन कार्यशाला

बायरैक बिग 22वें कॉल पुरस्कार विजेता

मानव संसाधन एवं प्रशासनिक गतिविधियाँ 10

स्वतंत्रता दिवस 2023

हिन्दी पखवाड़ा 2023

राष्ट्रीय कार्यक्रम 12

राष्ट्रीय बॉयोफार्मा कार्यक्रम

'एंजाइम' के जैव-विनिर्माण पर विचार-मंथन बैठक

इंडो-यूएस वैक्सीन एक्शन प्रोग्राम (वीएपी) के तत्वावधान में इंडो-यूएस क्लिनिकल रिसर्च एथिक्स फेलोशिप

कॉल लॉन्च 15

बिग 23वां आमंत्रण : बायोटेक्नोलॉजी इग्निशन ग्राण्ट

i4 और पेस के तहत प्रस्तावों की मांग

नेतृत्वकर्ता का संदेश

डॉ. राजेश एस गोखले
सचिव, डीबीटी एवं
अध्यक्ष, बाइरैक

भारतीय जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र ने विकास के एक नए चरण में प्रवेश किया है, जहां दुनिया अब अद्भुत क्षमता को स्वीकार करती है, यह क्षेत्रक जीवन को छूने और बदलने के लिए है। भारत के विभिन्न राज्यों के उल्लेखनीय योगदान के साथ एक विश्व मान्यता प्राप्त नवाचार केंद्र और जैव–विनिर्माण केंद्र बनने की दिशा में तैयारी कर रहा है।

पिछले दशक में, भारत ने वास्तव में मातृ और बाल स्वास्थ्य, संक्रामक रोग नियंत्रण और जीवन प्रत्याशा जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियों के साथ अपनी आबादी के स्वास्थ्य में सुधार करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। भारतीय स्वास्थ्य सेवा स्टार्टअपों ने 2023 में उल्लेखनीय उपलब्धियों का प्रदर्शन किया है, जो समाज की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों और रचनात्मक समाधानों का लाभ उठा रहे हैं। टेलिमेडिसिन निर्माण से लेकर मानसिक स्वास्थ्य समाधानों तक, इन स्टार्टअपों ने स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और सामर्थ्य को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

भारतीय स्वास्थ्य सेवा स्टार्टअप न केवल लचीले एवं अनुकूल सिद्ध हुए हैं, बल्कि उन्होंने क्षेत्रक में परिवर्तनशील बदलावों का मार्ग भी प्रशस्त किया है। प्रौद्योगिकी, मानसिक स्वास्थ्य, व्यक्तिगत समाधान, और अंत्र स्वास्थ्य जैसे उभरते क्षेत्रों पर गहरी नजर रखने के साथ, ये स्टार्टअप भारतीय स्वास्थ्य परिदृश्य में आधारभूत उन्नति करने के लिए तैयार हैं। जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद् (बाइरैक) और इसके संबद्ध संस्थानों से समाज की विविध आवश्यकता के लिए स्वास्थ्य सेवा में कई उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

पिछले वर्ष विस्तृत जीवन विज्ञान और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में लगभग 50 अत्याधुनिक उत्पादों की शुरूआत के साथ नवाचार की एक लहर चिह्नित की गई थी। बायोमेडिकल क्षेत्रक 2022 में +57.3 बिलियन से बढ़कर 2030 तक अनुमानित +128 बिलियन तक पहुंचने की क्षमता के साथ लगातार प्रगति करने के लिए तैयार है। यह प्रवृत्ति क्षेत्र के लचीलेपन और चिकित्सा नवाचारों और स्वास्थ्य सेवा समाधानों के लिए बाजार की बढ़ती मांग को रेखांकित करती है।

हाल के वर्षों में भारत के जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, कई कंपनियाँ यूनिकॉर्न बनीं, जिनका बाजार मूल्य 1 बिलियन डॉलर से अधिक था। इन जैव प्रौद्योगिकी यूनिकॉर्न ने नवाचार को प्रेरित किया और चिकित्सा के भविष्य को आकार देने और दुनिया भर में लाखों लोगों के जीवन में सुधार करते हुए स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य को बदल दिया।

सस्ते हेल्थटेक समाधान संभावित रूप से लगभग 65% आबादी की अधूरी आवश्यकताओं को पूरा कर सकते हैं जो पर्याप्त प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा से वंचित हैं और ग्रामीण परिवेश में एक गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को क्रियाशील बनाने के लिए किफायती और उपयोग में आसान तकनीक नवाचारों को अपनाने हेतु बढ़ावा देने के लिए बहुत ध्यान और प्रयासों की आवश्यकता है।

जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्रक में गतिशील विकास इसे भारत के आर्थिक परिदृश्य में एक सक्रिय खिलाड़ी के रूप में रखता है और आगे देखते हुए, भविष्य के दृष्टिकोण को प्रमुख वाहकों द्वारा आकार दिया जाता है, जिसमें बायोसिमिलर्स की वैश्विक स्वीकृति, थेरेप्यूटिक्स में चल रहे नवाचार और जैव औद्योगिक में संधारणीय प्रथाएं शामिल हैं।

विभाग का उद्देश्य तकनीकी उत्कृष्टता को बढ़ावा देना, समानता और सामाजिक उत्तरदायित्व को प्रोत्साहित करना है कि कैसे जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान के फल को जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र को एक समावेशी उद्यम बनाने के लिए आत्मानिर्भर भारत पर ध्यान केंद्रित करते हुए किया जाता है।

मुख्य संपादक के विचार

डॉ. जितेन्द्र कुमार
प्रबंध निदेशक, बाइरैक

जैव प्रौद्योगिकी मानव जाति को जैव प्रौद्योगिकी–आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ने में सहयोग करती है, यथा संभव लोगों के जीवन में बदलाव लाती है, अवसर प्रदान करती है और सभी के लिए विकास का वचन देती है। हमारे दिन की शुरुआत से लेकर खत्म होने तक उन क्षेत्रों पर जैव प्रौद्योगिकी का सबसे अधिक प्रभाव पड़ता है जिन पर हम कभी ध्यान नहीं देतेय हम ऐसे नवाचारों से घिरे हुए हैं जो हमारे जीवन को सरल बनाते हैं। ये नवाचार न केवल जीवन बचाते हैं, बल्कि समय के साथ समाज को अत्यधिक महत्व देते हैं और अन्य स्वास्थ्य सेवा पर होने वाले खर्चों में पर्याप्त बचत भी प्रदान करते हैं।

भारत नवाचार के क्षेत्र में क्रांति के दौर से गुजर रहा है, चाहे वह विज्ञान, प्रौद्योगिकी या अन्य क्षेत्र हो। देश में 9 साल से भी कम समय में जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र में 2014 में 50 स्टार्टअप से लेकर 2022 में 6000 से अधिक स्टार्टअप तक स्टार्टअपों की संख्या में 100 गुना वृद्धि देखी गई है। जैव प्रौद्योगिकी स्टार्टअप नव भारत की रीढ़ हैं।

बाइरैक अपनी विभिन्न अभिनव वित्त पोषण योजनाओं के माध्यम से भारत में स्टार्टअप समुदाय को पोषित करने और सशक्त बनाने की दिशा में कार्यरत है, जो स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया, वोकल फॉर लोकल प्रोडक्ट्स और आत्मनिर्भर भारत के राष्ट्रीय लक्ष्यों के अनुरूप होगा। सरकार द्वारा शुरू की गई इन पहलों का मुख्य उद्देश्य भारत के सामने आने वाली कुछ सबसे बड़ी चुनौतियों का समाधान करने के लिए घरेलू नवाचार और उद्यमिता के लिए अनुकूल माहौल बनाने पर है।

स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र हमेशा नवाचार और विकास के लिए तत्पर रहता है। यह बेहतर परिणामों, बेहतर गुणवत्ता, बढ़ी हुई सुलभता और कम लागत की आवश्यकता से प्रेरित है। अत्यधिक विशेष उपचार के लिए पूरी तरह से प्रौद्योगिकी पर निर्भर रहने के स्थान पर रोकथाम और प्राथमिक देखभाल का समर्थन करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। बाइरैक समर्थित स्टार्टअप ने दूरस्थ निगरानी उपकरणों से लेकर कम लागत वाले उपकरणों तक नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करने में एक लंबा सफर तय किया है। बाइरैक ने देश भर में विभिन्न क्षेत्रों जैसे स्वास्थ्य तकनीक, कृषि तकनीक, औद्योगिक प्रौद्योगिकी, सूचना प्रौद्योगिकी, गतिशीलता, शिक्षण तकनीक, अंतरिक्ष, संरक्षा, स्वच्छ पर्यावरण और अन्य में नवाचारों एवं प्रौद्योगिकियों का समर्थन किया है। बाइरैक ने स्टार्टअप और बड़ी कंपनियों दोनों के लिए रास्ता आसान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

बाइरैक आत्मनिर्भर भारत के उद्देश्य को सुनिश्चित करने के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के समर्थन और रखरखाव के माध्यम से परिवर्तनकारी बदलाव लाने के लिए लगातार प्रयासरत है।

पहला स्वदेशी रूप से विकसित मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग (एमआरआई) स्कैनर का शुभारंभ

जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) ने भारत का पहला स्वदेशी एमआरआई स्कैनर लॉन्च किया है। स्कैनर को वोक्सेल्ग्रिड्स इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विकसित किया गया है और जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद् (बाइरैक) द्वारा कार्यान्वित अपने राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन के माध्यम से जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) द्वारा समर्थित किया गया है।

डॉ. जितेन्द्र सिंह द्वारा पहला स्वदेशी रूप से विकसित मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग (एमआरआई) स्कैनर का शुभारंभ

यह भारत का पहला स्वदेशी रूप से विकसित कम वजनी, हीलियम मुक्त, वाणिज्यिक, उच्च क्षेत्र एमआरआई स्कैनर है। उम्मीद है कि यह उत्पाद बेहद लागत प्रभावी और किफायती स्कैनर होगा। जून 2023 में, एमआरआई स्कैनर को सीडीएससीओ, भारत सरकार से विनिर्माण और व्यावसायीकरण लाइसेंस प्राप्त हुआ है।

डॉ. जितेन्द्र सिंह द्वारा पहला स्वदेशी रूप से विकसित मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग (एमआरआई) स्कैनर का शुभारंभ

राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन और बाइरैक देश में विभिन्न नवाचारों के लिए सहायता प्रदान कर रहा है और डिवाइस एवं रोगनिदान पारिस्थितिकी तंत्र में अधिक से अधिक विज्ञान और अनुसंधान के अवसरों के लिए एक सहायक सक्षम वातावरण बनाने की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहा है। विभाग ने संगत वैश्विक अग्रणियों के साथ सक्रिय साझेदारी को बढ़ावा देने और नवीन वित्त पोषण तंत्र के कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित करने वाली रणनीतियों को अपनाने के माध्यम से ठोस प्रयास किए हैं। आयात पर निर्भरता को कम करने, वहनीयता में सुधार करने और नवाचार लब्धि को बढ़ाने की दृष्टि से, मिशन विभिन्न आवश्यकता वाले क्षेत्रों में चिकित्सा उत्पादों के विकास का समर्थन कर रहा है। प्राथमिकता उन उत्पादों को दी गई जिनका निर्माण वर्तमान में भारत में नहीं होता है ताकि अपने लाइसेंसधारियों और उत्पाद विकास भागीदारों के लिए बाजार हिस्सेदारी की अधिकतम क्षमता को बढ़ाते हुए अधूरी चिकित्सा और रोगी उपचार आवश्यकताओं को पूरा करने की क्षमता को और अधिक बढ़या किया जा सके।

जीवन विज्ञान में जैव–उद्यमिता और बौद्धिक संपदा और प्रौद्योगिकी प्रबंधन पर बाइरैक संवेदीकरण कार्यशाला

बाइरैक और विक्रम विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश द्वारा **'जीवन विज्ञान में जैव–उद्यमिता और बौद्धिक संपदा और प्रौद्योगिकी प्रबंधन'** पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 28 जुलाई, 2023 को उज्जैन में किया गया। इस कार्यक्रम में मध्य प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री माननीय डॉ. मोहन यादव उपस्थित थे।

जीवन विज्ञान में जैव–उद्यमिता और बौद्धिक संपदा और प्रौद्योगिकी प्रबंधन पर बाइरैक संवेदीकरण कार्यशाला की झलकियाँ

प्रतिभागियों से आशातीत और उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। इस कार्यशाला को शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों और स्टार्ट–अपों के लिए तैयार किया गया था ताकि उन्हें अनुदान लेखन, बाइरैक के वित्त पोषण कार्यक्रमों और आईपी और प्रौद्योगिकी प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया जा सके। इस कार्यशाला से 85 से अधिक शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों ने लाभ उठाया। सभी उपस्थित लोगों ने कार्यशाला की सराहना की।

बाइरैक आईपी एवं टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट लॉ क्लीनिक कनेक्ट

बाइरैक आईपी एवं टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट यूनिट ने 14 जुलाई 2023 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आईपी एवं टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट लॉ क्लीनिक कनेक्ट प्रोग्राम का 14वां सत्र आयोजित किया है। विशेषज्ञों ने बौद्धिक संपदा और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण संबंधी मामलों में 6 स्टार्ट–अप और उद्यमियों की सहायता की। सभी 6 लाभार्थियों ने कार्यक्रम की सराहना की।

बाइरैक आईपी एवं टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट लॉ क्लीनिक कनेक्ट की झलकियाँ

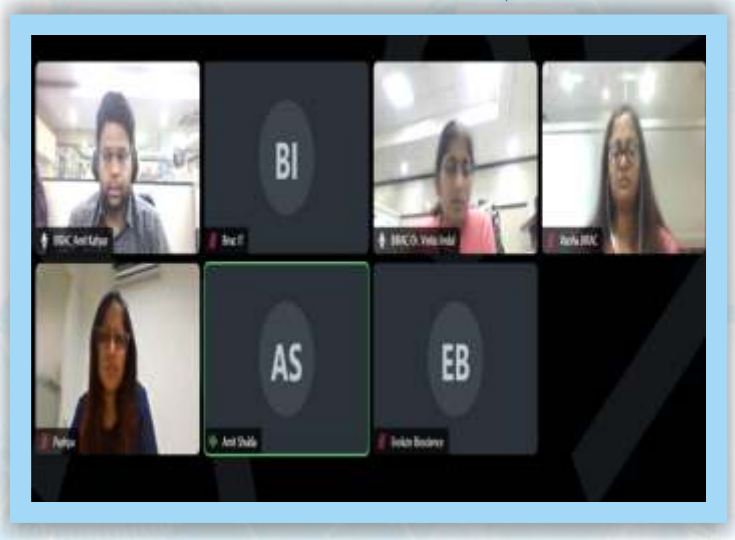

टीआईएसएस के सहयोग से एआईसी–सीसीएमबी में स्पर्श नवाचारों के लिए उद्यम डिजाइन कार्यशाला का आयोजन

जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद् (बाइरैक) द्वारा स्पर्श सेंटर, अटल इनक्यूबेशन सेंटर – सेंटर फॉर सेलुलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (एआईसी–सीसीएमबी) में स्पर्श नॉलेज पार्टनर, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टीआईएसएस) के सहयोग से उद्यम डिजाइन पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 22 से 24 अगस्त 2023 तक किया गया था।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) के तहत बाइरैक का उद्देश्य महत्वपूर्ण सामाजिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए किफायती जैव प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप विकसित करने के लिए **'स्पर्श'** कार्यक्रम के तहत अपने प्रत्येक दल से लगभग 60–70 सामाजिक उद्यमियों को तैयार करना है।

कार्यशाला का उद्देश्य स्पर्श के तहत अध्येताओं को सलाह देना और उनका मूल्यांकन करना था, जिसका उद्देश्य इच्छुक उद्यमियों को महत्वपूर्ण सामाजिक चुनौतियों से निपटने के लिए किफायती जैव प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना है। स्पर्श कार्यक्रम मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, वृद्धावस्था और स्वास्थ्य, खाद्य और पोषण, अपशिष्ट से मूल्य, कृषि–तकनीक और पर्यावरण प्रदूषण से निपटने जैसे विभिन्न क्षेत्रों में चुनौतियों को संबोधित करने पर केंद्रित है।

स्पर्श कार्यक्रम अध्येतावृति प्रदान करता है, जो 18 महीने तक चलता है और इसमें शुरुआत में ₹5 लाख का किक–स्टार्ट अनुदान शामिल है, जो चुने हुए अध्येताओं को अपने विचारों की व्यवहार्यता प्रदर्शित करने और जैव प्रौद्योगिकी–आधारित हस्तक्षेपों के माध्यम से सामाजिक नवाचार क्षेत्र में उद्यमशीलता के निर्माण के लिए मार्गदर्शन करने में सक्षम बनाता है।

जो उद्यमिता को करियर के रूप में तलाशना चाहते हैं बायरैक ने उन नवाचारों हेतु एक सहायक पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करके जीव विज्ञान और सामाजिक उद्यमिता के क्षेत्रों को सफलतापूर्वक विलय कर दिया है। इस तरह की पहल भारत में जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र के विकास में सकारात्मक योगदान देती है और वैज्ञानिक अनुसंधान को व्यावहारिक अनुप्रयोगों में बदलने को प्रोत्साहित करती है जो समाज और अर्थव्यवस्था को लाभान्वित करते हैं।

बायरैक बिग 22वें कॉल पुरस्कार विजेता

बिग 22वें कॉल के अंतिम परिणाम 4 अगस्त, 2023 को घोषित किए गए थे। बिग 22वें कॉल के तहत प्राप्त कुल 988 आवेदनों में से 18 महीने की अवधि के लिए 50 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता के लिए 60 नवीन विचारों को लघु सूचीबद्ध किया गया है।

स्वतंत्रता दिवस 2023

जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद् (बाइरैक) ने 15 अगस्त 2023 को बड़े उत्साह और देशभक्तिपूर्ण उमंग के साथ भारत का स्वतंत्रता दिवस मनाया।

पूर्व संध्या के अनुरूप कुछ प्रतियोगिताओं जैसे कि स्लोगन लेखन, निबंध लेखन और पोस्टर बनाना का आयोजन किया गया। सभी कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम में बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

हिंदी पखवाड़ा 2023

हिंदी दिवस 14 सितंबर को बड़े गर्व और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है क्योंकि 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को हमारे देश की राजभाषा के रूप में अपनाया गया था।

इसी उपलक्ष्य में बाइरैक ने 15 सितंबर 2023 से 29 सितंबर, 2023 तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया। हिंदी माह के दौरान राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित प्रतियोगिताओं / गतिविधियों का ऑनलाइन आयोजन किया गया :–

1. हिंदी निबंध प्रतियोगिता

2. ऑनलाइन नारा लेखन प्रतियोगिता

3. ऑनलाइन कविता लेखन प्रतियोगिता

4. प्रत्येक विभाग द्वारा हिंदी में लिखी गई अधिकतम ई–मेल संचार और टिप्पणियाँ

5. राजभाषा कार्यान्वयन समिति बाईरैक की त्रैमासिक बैठक

29 सितंबर, 2023 को पखवाड़े का समापन समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में सभी पदाधिकारियों ने अति उत्साह के साथ भाग लिया।

NATIONAL BIOPHARMA MISSION
innovate in India for inclusiveness (i3)

राष्ट्रीय बॉयोफार्मा मिशन

2 सितंबर, 2023 को आयोजित 'एंजाइम' के जैव–विनिर्माण पर विचार–मंथन बैठक (ऑन–लाइन और ऑफ–लाइन मोड के माध्यम से)

'एंजाइम' के जैव–विनिर्माण पर विचार–मंथन बैठक स्टेम, बेंगलुरु में 2 सितंबर, 2023 को आयोजित की गई थी। बैठक में हितधारकों, उद्योग विशेषज्ञों और बाइरैक के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। शिक्षा जगत और उद्योग जगत के हितधारकों ने एंजाइम जैव–विनिर्माण क्षेत्र की वर्तमान स्थिति, चुनौतियों और भविष्य की दिशाओं पर विचार–विमर्श किया। इस बैठक का ध्यान उद्योगों में एंजाइमों के उपयोग को बढ़ाना/विस्तारित करना और भारत में एंजाइमों के निर्माण के लिए पारिस्थितिकी तंत्र बनाना था, जो भारत को डीकार्बोनाइज्ड भविष्य के लिए तैयार करने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

'एंजाइम' के जैव–विनिर्माण पर विचार–मंथन बैठक की झलकियाँ

कॉल का शुभारंभ :
इंडो–यूएस वैक्सीन एक्शन प्रोग्राम (वीएपी) के तत्वावधान में इंडो–यूएस क्लीनिकल रिसर्च एथिक्स फेलोशिप

कॉल अवधि : 3 अगस्त से 3 अक्टूबर 2023

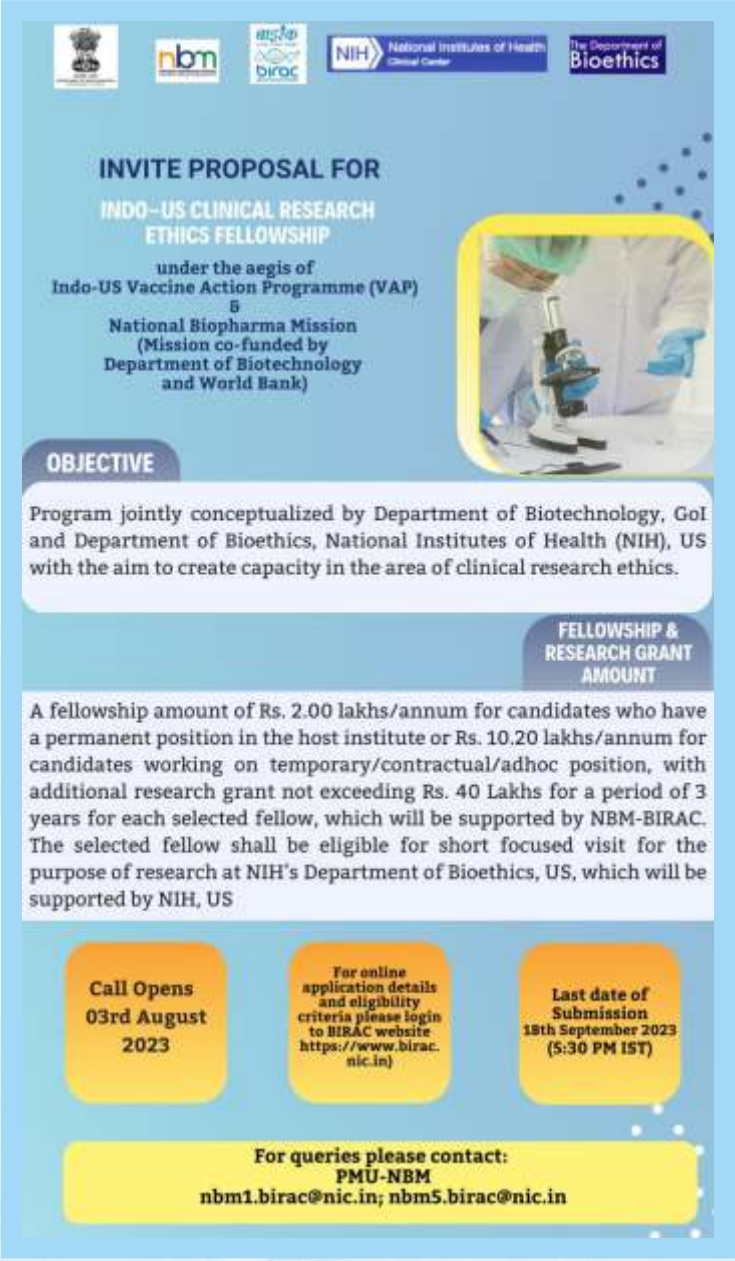

अवलोकन

भारत के नैदानिक अनुसंधान बाजार में पिछले दशक में तेजी से विकास हुआ है और 2025 तक 8.7 प्रतिशत चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से और अधिक बढ़ने की आशा है (फॉर्च्यून इंडिया रिपोर्ट 2022 के अनुसार) औषधियां, बायो फार्मा स्यूटिकल्स, और चिकित्सा उपकरण जैव नैतिकता विकास में नैदानिक अनुसंधान का एक आवश्यक एवं महत्वपूर्ण घटक है। भारत में जैव नैतिकता (नैदानिक अनुसंधान पर ध्यान देने के साथ) में नवीन करियर विद्वानों को अनुसंधान अनुदान प्रदान करते हुए भारत में नैदानिक अनुसंधान नैतिकता में क्षमता निर्माण हेतु, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारत सरकार और राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (एनआईएच), संयुक्त राज्य अमेरिका के नैदानिक केंद्र में जैव नैतिकता विभाग ने क्षमता निर्माण के लिए सहयोग किया है। यह अनुदान राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन के तहत जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद् (बाइरैक) के माध्यम से कार्यान्वित किया जाएगा।

उद्देश्य

कार्यक्रम का उद्देश्य जैव नैतिकता के क्षेत्र में रुचि रखने वाले सुदृढ़ वैज्ञानिक पृष्ठभूमि वाले प्रेरित व्यक्तियों का समर्थन करना है। अध्येतावृत्ति का उद्देश्य प्रशिक्षित विद्वानों का एक महत्वपूर्ण समूह तैयार करना है जो नैदानिक अनुसंधान नैतिकता पर अंतर्राष्ट्रीय साहित्य में सक्रिय रूप से योगदान देंगे और जो उभरते मुद्दों पर भारत में नैदानिक शोधकर्ताओं, प्रशासकों और नीति निर्माताओं को सलाह देने में सक्षम होंगे।

अनुदान में मेजबान संस्थान में स्थायी पद वाले उम्मीदवारों के लिए प्रति वर्ष 2.00 लाख रुपये और अस्थायी पद के उम्मीदवार के लिए 1.028 लाख रुपये प्रति वर्ष की अध्येतावृत्ति मानदेय का प्रावधान है। अध्येतावृत्ति के अलावा, प्रत्येक चयनित अध्येता उम्मीदवार को जैव नैतिकता के क्षेत्र में अपने शोध को आगे बढ़ाने के लिए तीन साल की अवधि के लिए अधिकतम 40 लाख रुपये का शोध अनुदान प्रदान किया जाएगा।

चयनित अध्येता एनआईएच के जैव नैतिकता विभाग के दायरे में प्रदान किए गए अनुसंधान के उद्देश्य से 2–3 महीने की लघु केंद्रित दौरे के लिए पात्र होंगे। इसके तहत, अध्येताओं को निम्नलिखित लाभ मिलेगा जो कि शोध अनुदान के अतिरिक्त है – (क) अध्येता के गृह शहर से बेथेस्डा, एमडी तक राउंड ट्रिप इकोनॉमी क्लास यात्रा खर्चों के साथ–साथ 2–3 महीनों के लिए रहने का खर्च (प्रति अध्येता कुल 12,000 अमेरिकी डॉलर तक) हेतु सहायता। (ख) अध्येताओं के पास एनआईएच क्लीनिकल सेंटर में अपने प्रवास के दौरान अमेरिका में प्रासंगिक यात्रा को कवर करने के लिए 3,000 अमेरिकी डॉलर के लिए आवेदन करने का विकल्प होगा। यह राशि चयनित अध्येताओं को सीधे एनआईएच द्वारा प्रदान की जाएगी।

इस कॉल के तहत 26 आवेदन प्राप्त हुए और भारतीय तथा अमेरिकी (एनआईएच) डोमेन विशेषज्ञों वाली समिति द्वारा आगे के मूल्यांकन के लिए 08 को लघु सूचीबद्ध किया गया है।

बिग 23वां आमंत्रण : बायोटेक्नोलॉजी इग्निशन ग्राण्ट

बाइरैक
इग्नाइट इनोवेट इंक्यूबेट
birac
Ignite Innovate Incubate

जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद्

(भारत सरकार का उपक्रम)

BIG
Kick Starting Entrepreneurships

BIG 23वां आमंत्रण

बायोटेक्नोलॉजी इग्निशन ग्राण्ट

नवीन युक्तियों के प्रोत्साहन हेतु

व्यावसायीकरण की संभावना वाले नवाचारी युक्तियां

अभी तक **900** से अधिक युक्तियों को प्रोत्साहन

हेल्थकेयर, लाइफसाइंसेज, डायग्नोस्टिक्स, मेडिकल डिवाइसेस, ड्रग्स, वैक्सीन, ड्रग फॉर्म्युलेशन और डिलीवरी सिस्टम, औद्योगिक जैव, प्रौद्योगिकी, कृषि, द्वितीयक कृषि, अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छता, स्वच्छ ऊर्जा और संबंधित क्षेत्रों के अंतर्गत नवाचार।

₹50 लाख तक की अनुदान राशि

योग्य आवेदनकर्ता

वैज्ञानिक, संकाय, अनुसंधान स्कॉलर, किसी भी विद्या में स्नातक सहित व्यक्तिगत उद्यमी / निर्गमित कंपनी वाले स्टार्टअप/1 जुलाई, 2018 को या इसके बाद पंजीकृत एलएलपी

बाइरैक के BIG पार्टनर्स और सहयोगी पार्टनर्स द्वारा परामर्श उपलब्ध

www.ccamp.res.in	www.fitt-iitd.org	www.ikpknowledgepark.com	www.kittincubator.in	www.venturecenter.co.in	www.siicincubator.com	www.aidea.naarm.org.in	www.sineiitb.org

ऑनलाइन आवेदन करें **www.birac.nic.in**

आवेदन की अन्तिम तिथि **16 अगस्त, 2023 सायं 5:30 बजे तक**

गाइडलाइन और FAQ के लिए **www.birac.nic.in**

कृपया विस्तृत जानकारी के लिए संपर्क करें: सुश्री दीक्षा राठौर | ई-मेल: biracbig.dbt@nic.in

बिग 23वां आमंत्रण : बायोटेक्नोलॉजी इग्निशन ग्राण्ट

बिग के साझेदार

C-CAMP
Centre for Cellular and Molecular Platforms

www.ccamp.res.in

FITT

www.fitt-iitd.org

IKP

www.
ikpknowledgepark.com

KIIT-TBI

www.
kittincubator.in

VENTURE CENTER
15 years of service to the Nation

www.
venturecenter.co.in

STARTUP INCUBATION AND INNOVATION CENTRE IIT KANPUR

www.
siicincubator.com

नार्म
naarm
Center for Agri-Innovation
a-IDEA

www.
aidea.naarm.org.in

IIT Bombay
SINE
Business Incubator

www.sineiitb.org

i4 और पेस के तहत प्रस्तावों की मांग

जैव प्रौद्योगिकी समुदाय को बाइरैक की विभिन्न वित्त पोषण योजनाओं से अवगत कराने और प्रभावी अनुदान प्रस्ताव लिखने के लिए, बाइरैक ऑन–लाइन और ऑफ–लाइन माध्यम से वेबिनार आयोजित करता है। सी–कैंप, बिट्स पिलानी और फेडरेशन ऑफ एशियन जैव प्रौद्योगिकी एसोसिएशन (एफएबीए) के सहयोग से 2023 जुलाई माह में 3 वेबिनार आयोजित किए गए थे। इनमें लगभग 300 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इन परस्पर संवादात्मक सत्रों को खूब सराहा गया और प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान सक्रिय भागीदारी देखी गई।

i4 और पेस के अधीन प्रस्तावों के लिए कॉल 15 जून, 2023 को शुरू किया गया था और 31 जुलाई, 2023 तक खुली थी। यह भारत सरकार के मिशन कार्यक्रमों और राष्ट्रीय प्राथमिकता के अन्य क्षेत्रों से जुड़ी एक चुनौती कॉल थी।

7.1 lakh+
वर्ग फुट का इन्क्यूबेशन स्थल

75
बायोइन्क्यूबेटरों का समर्थन किया

10 Lakh+
छात्र/उद्यमी लगे

800+
बाजार में उत्पाद

1300+
आईपी जेनरेटेड

4000+
स्टार्ट–अप, उद्यमी, कंपनियों ने समर्थन किया, लाभार्थियों

प्रेरण नवप्रवर्तन व्यवसाय

25,000+
प्रस्तावों का मूल्यांकन किया गया

100+
राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी

350+
शैक्षणिक संस्थानों का समर्थन किया

4000+Cr
>130 स्टार्टअप्स द्वारा फॉलो-ऑन फंडिंग जुटाई गई

10,000+
मेंटर पूल

30,000+
उच्च कौशल वाली नौकरियाँ पैदा हुईं

6300+Cr
का कुल निवेश

3900+ Cr
बाइरैक द्वारा वित्त पोषण सहायता

2400+Cr
उद्योग एवं अन्य द्वारा सह-वित्त पोषण

विस्तृत जानकारी के लिए, कृपया संपर्क करें:

जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बाइरैक)

प्रथम तल, एमटीएनएल बिल्डिंग, 9, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली–110003, भारत

टेलीफोनः +91–11–24389600 | फैक्सः +91–11–24389611

ई–मेलः birac.bdt@nic.in | वेबसाइटः www.birac.nic.in

हमें ट्विटर : @BIRAC_2012 पर फॉलो करें।